vinetur

Allied Blenders को तेलंगाना में 44 लाख बल्क लीटर माल्ट स्पिरिट क्षमता का लाइसेंस मिला

यह मंजूरी शराब निर्माता को एक अहम व्हिस्की इनपुट अपने भीतर बनाने देती है, जिससे तीसरे पक्ष के डिस्टिलरों पर निर्भरता घटेगी।

बुधवार, 16 सितंबर 2026



Allied Blenders and Distillers को तेलंगाना प्राधिकरणों से Wanaparthy जिले के Rangapur Village स्थित अपने संयंत्र में पेय प्रयोजनों के लिए माल्ट स्पिरिट बनाने का लाइसेंस मिला है, जिससे भारतीय शराब निर्माता को इस स्थल पर सालाना लगभग 4.4 मिलियन बल्क लीटर की अनुमोदित क्षमता मिल गई है।

कंपनी ने मंगलवार को दायर एक स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस मंजूरी का खुलासा किया। लाइसेंस Commissioner of Prohibition and Excise, Telangana, Hyderabad द्वारा दिया गया, और यह कंपनी की Pebbair Mandal स्थित इकाई पर लागू होता है। यह मंजूरी लाइसेंस में निर्धारित शर्तों तथा राज्य के आबकारी कानूनों और नियमों के अधीन है।

यह कदम Allied Blenders के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कंपनी ने कहा कि वह पहले अपनी उत्पादन प्रक्रिया में इस्तेमाल

होने वाले माल्ट स्पिरिट के लिए तीसरे पक्ष के डिस्टिलरों पर निर्भर थी। नए लाइसेंस के साथ, वह यह इनपुट अपने परिसर में ही बना सकेगी, जिससे आपूर्ति पर अधिक नियंत्रण और बाहरी विक्रेताओं पर कम निर्भरता मिल सकती है। कंपनी ने यह भी कहा कि यह मंजूरी कच्चे माल की आवश्यकताओं को समर्थन देगी और परिचालन दक्षता में सुधार करेगी।

Allied Blenders ने कहा कि यह लाइसेंस उसे अपने स्वयं के single malt whisky उत्पादों के उत्पादन और विकास की भी अनुमति देगा। इससे भारतीय स्पिरिट्स बाजार के उस हिस्से में उसकी मौजूदगी बढ़ेगी, जहां कंपनियां उपभोक्ता मांग के अधिक महंगे ब्रांडों की ओर खिसकने के साथ प्रीमियम पेशकशें बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

भारत दुनिया के सबसे बड़े स्पिरिट्स बाजारों में से एक है, और व्हिस्की एक केंद्रीय श्रेणी बनी हुई है। इस संदर्भ में, अतिरिक्त माल्ट स्पिरिट क्षमता की मंजूरी महत्वपूर्ण है क्योंकि माल्ट स्पिरिट कुछ प्रीमियम व्हिस्की उत्पादों के लिए एक प्रमुख इनपुट है। फिर भी, कंपनी ने यह नहीं बताया कि लाइसेंस प्राप्त क्षमता पर उत्पादन कब शुरू होगा, वह कितना निवेश करने की योजना बना रही है, वह इस क्षमता का उपयोग कितनी जल्दी करने की उम्मीद करती है, या नई मंजूरी उसकी किसी मौजूदा आंतरिक विनिर्माण क्षमता की तुलना में कैसी है। इसका मतलब है कि आपूर्ति पर इसका सटीक असर अभी नहीं आंका जा सकता।

फाइलिंग में लाइसेंस प्राप्त मात्रा को सालाना लगभग 4.4 मिलियन बल्क लीटर बताया गया। कंपनी ने यह नहीं कहा कि यह मात्रा तुरंत उत्पादित की जाएगी, और इस मंजूरी को मौजूदा उत्पादन के बजाय अधिकृत क्षमता के रूप में समझा जाना चाहिए। उसने उत्पादन बढ़ाने की कोई समय-सारणी भी नहीं दी।

यह घटनाक्रम Allied Blenders द्वारा भारतीय बाजार में एक नया प्रीमियम व्हिस्की ब्रांड, The Indian Edit, पेश किए जाने के कुछ समय बाद सामने आया है। कंपनी ने इस लॉन्च को प्रीमियम व्हिस्की की ओर व्यापक धकेल का हिस्सा बताया है, जहां कुछ उपभोक्ताओं के एंट्री-लेवल उत्पादों से आगे बढ़ने के साथ मांग बढ़ रही है। लॉन्च के आसपास जारी टिप्पणियों में, प्रबंध निदेशक Amar Sinha ने कहा कि कंपनी भारत के स्पिरिट्स व्यवसाय में प्रीमियम व्हिस्की को विकास का एक बड़ा क्षेत्र मानती है।

निवेशकों के लिए, यह लाइसेंस उस समय एक नया परिचालन विवरण जोड़ता है जब कंपनी विस्तार प्रयासों और निकट अवधि की मिश्रित आय प्रवृत्तियों के बीच संतुलन बना रही है। अपने सबसे हालिया तिमाही नतीजों में, Allied Blenders ने पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 13% की गिरावट दर्ज की, जबकि राजस्व और परिचालन लाभ में मामूली वृद्धि हुई। शुद्ध लाभ एक साल पहले के Rs 56.6 crore से घटकर Rs 49.2 crore रह गया, जबकि संचालन से राजस्व 6% बढ़कर Rs 979 crore हो गया, जो एक साल पहले Rs 923 crore था। ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय (EBITDA) 3.5% बढ़कर Rs 115.5 crore रही, जो Rs 111.6 crore थी, और EBITDA मार्जिन 12.1% से घटकर 11.8% हो गया।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि कंपनी ने बिक्री बढ़ाना जारी रखा है, लेकिन लाभप्रदता पर दबाव अब भी बना हुआ है। ऐसे में, यदि यह खरीद नियंत्रण बेहतर करने या उच्च-मूल्य उत्पादों को समर्थन देने में मदद करता है, तो किसी प्रमुख इनपुट का आंतरिक उत्पादन रणनीतिक रूप से उपयोगी हो सकता है। हालांकि, कंपनी ने तेलंगाना मंजूरी से जुड़ी कोई वित्तीय मार्गदर्शन नहीं दी है, और यह भी नहीं कहा है कि माल्ट स्पिरिट का इन-हाउस उत्पादन निकट अवधि में मार्जिन को भौतिक रूप से बदलेगा या नहीं।

फाइलिंग के अनुसार, जब तक कंपनी उससे जुड़ी शर्तों का पालन करती है, लाइसेंस लागू कानून के अनुरूप वैध बना रहेगा। Rangapur स्थित संयंत्र से माल्ट स्पिरिट का उपयोग करने वाले उपकरणों को चालू करने, व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने या उत्पाद लॉन्च करने की कोई अलग समय-सीमा नहीं दी गई।